TITLE CODE : UPHIN50246

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, बुधवार 21 जून 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :17 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

भारत शांति का समर्थक अब भारत का टाइम आ गया: नरेन्द्र मोदी

रूस-यूक्रेन जंग को रोकने की हर संभव कोशिश करेगा भारत

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ देशों का लीडर तो है ही, बल्कि सालों से नकारे जा रहे दूसरे विकासशील देशों के मुद्दों को भी उठा रहा है। यूएन में बदलावों की मांग करते हुए पीएम मोदी ने कहा भारत वैश्विक स्तर पर बड़ा रोल निभाने का हकदार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस–यूक्रेन जंग पर कहा– भारत निष्पक्ष नहीं है। भारत शांति के समर्थन में है। सभी देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करना चाहिए और दूसरे देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। विवाद बातचीत के जरिए सुलझाए जाने चाहिए, न कि जंग से। भारत इस जंग को रोकने की हर संभव कोशिश करेगा।

पीएम मोदी ने यह बातें अमेरिका यात्रा से पहले अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए इंटरव्यू में कहीं। उन्होंने कहा– ग्लोबल लेवल पर भारत का अहम भूमिका निभाने का समय आ चुका है।

पीएम मोदी ने कहा– भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते पहले से ज्यादा मजबूत हुए हैं। दोनों के बीच बेजोड़ विश्वास है। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस सेक्टर में बढ़ रही साझेदारी की सरहाना की।

पीएम मोदी ने कहा– भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधारने के लिए बॉर्डर पर शांति होना जरूरी है। हम संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं। हम विवाद और मतभेदों को कानून और शांतिपूर्ण तरीकों से सुलझाने में यकीन करते हैं। पीएम मोदी ने ये भी कहा कि इन सब के साथ हम अपने सम्मान और अखंडता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारत में हजारों सालों से सभी धर्मों और मान्यताओं को एक साथ रहने और प्रगति करने की आजादी मिली है। आप हर किसी मान्यता और धर्म के व्यक्ति को भारत में शांति से रहते हुए देख सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा– मैं आजाद भारत में पैदा हुआ देश का पहला प्रधानमंत्री हूं। इसी वजह से मेरा सोचना का तरीका, मेरा व्यवहार, मैं जो कहता और करता हूं वो देश की परंपराओं से प्रभावित है। उसी से मुझे ताकत मिलती है। मैं अपने देश को दुनिया के सामने वैसे ही प्रस्तुत करता हूं जैसा वो है। खुद को भी वैसे ही पेश करता हूं जैसा मैं हूं।

जीरो बजट वाला हेल्थ इंश्योरेंस है योग : उपराष्ट्रपति

मध्य प्रदेश के विद्यालयों में अनिवार्य होगी योग शिक्षा : शिवराज सिंह चौहान

हर दिल ध्यान हर दिन ध्यान अभियान के माध्यम से सवा करोड़ लोगों को योग व ध्यान के प्रति किया जागरूक

लोक पहल

जबलपुर। वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग के ध्येय वाक्य को लेकर मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम हुआ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, योग एक दिन का नहीं, हर दिन का है। संस्कारधानी जबलपुर के नर्मदा तट, भेड़ाघाट और बंदरकूदनी से योग को जीवन में अपनाने का आह्वान करता हूं। जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हींग लगे, न फिटकरी और रंग चोखा आए, यही योग का मूलमंत्र है। उन्होंने कहा कि योग जीरो बजट वाला हेल्थ इश्योरेंस (बीमा) है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'निरोग रहने के लिए योग करें। यह योग केवल योग दिवस के दिन नहीं करना, बल्कि रोजाना करना है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा, 'मध्यप्रदेश के विद्यालयों में योग की शिक्षा अनिवार्य की जाएगी।'

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा, 'आजकल के बच्चे पिज्जा खाते हैं, साथ में थम्सअप की बोतल पचाने के लिए रखते हैं। तैलीय पदार्थ और तीखा मत खाओ। योगा के साथ सात्विक खुराक भी आवश्यक है।'

हर घर ध्यान और योग को पहुंचाने के लिए हार्टफुलनेस और श्रीरामचन्द्र मिशन ने मध्य प्रदेश में एकात्म अभियान चलाया। बता दें कि श्रीरामचन्द्र मिशन और मध्य प्रदेश जनअभियान परिषद ने संयुक्त रूप से पूरे प्रदेश में हर दिल ध्यान हर दिन ध्यान थीम पर आधारित एकात्म अभियान चलाया था। इस नशामुक्त भारत, योग युक्त भारत और हर आंगन योग के संदेश के साथ मिशन के स्वयंसेवक स्कूल, कालेज, पुलिस और गांव तक गए। इस अभियान के दौरान पूरे मध्य प्रदेश में 52 हजार गांवों, सभी नगर पालिका, ग्राम पंचायत, नगर निगम क्षेत्र में योग, प्राणायाम, मुद्रा एवं हार्टफुलनेस ध्यान करवाया गया। भारत व विश्व के 62 देशों से आए श्रीरामचन्द्र मिशन के दस हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों ने इस अभियान में अपना योगदान दिया तथा मिशन के स्वयंसेवक 52 जिलों के 313 ब्लाकों व 40,136 गांवों तक पहुंचे तथा करीब सवा करोड़ लोगों को योग और ध्यान के लिए जागरूक किया व लगभग 25 लाख लोगों के प्रशिक्षित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीरामचन्द्र मिशन के अध्यक्ष कमलेश डी पटेल 'दाजी', केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय महिला बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजूपरा, आयुष मंत्री रामकिशोर कावरे, इंदर सिंह परमार भी मौजूद रहे।

अपने पापों की सजा भुगत रहा है पाकिस्तान : योगी

कांग्रेस के जमाने में 100 रुपया भेजा जाता था तो 85 दलाल खा जाते थे

लोक पहल

लखनऊ। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान दरिद्र है उसके साथ कोई नहीं रहना चाहता। पाकिस्तान में 1 किलो आटा के लिए छीना झपटी हो रही है। पीओके के लोग भारत के साथ आना चाहते हैं। पाकिस्तान भूख से मरने को तैयार है। पाकिस्तान जो पाप किये उसे भुगत रहा है। भारत ने ब्रिटेन को पछाड़ दिया। भारत उभरता हुआ देश है। जी 20 में भारत नेतृत्व कर रहा है।' यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अम्बेडकरनगर में 10 अरब से ज्यादा की 2277 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह के दौरान कही। सीएम ने कहा, 'कांग्रेस की सरकार लाचारी दिखाती थी। पहले अगर 100 रुपया भेजा जाता था तो 85 तो दलाल ही खाते थे लेकिन अब जितना भेजा जाता है उतना जनता को मिलता है।' मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कश्मीर और पाकिस्तान की लाचारी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से धारा 370 हटी। लोग बोलते थे कि ये सपना है 370 हटाना लेकिन मोदी ने सपना साकार किया। धारा 370 को इतिहास के कूड़े में फेंक दिया गया। अब कश्मीर के अंदर उपद्रव नहीं शांति व्यवस्था कायम है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, कि 'काशी में भव्य विश्वनाथ बना, अब अयोध्या का विकास हो रहा है। अयोध्या का विकास होगा तो सबसे ज्यादा फायदा अम्बेडकरनगर का होगा। मिर्जापुर में विंध्यवासिनी का विकास हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, 'परिवारवाद की राजनीति भाई–भतीजा की राजनीति करने वाले देश की बात नहीं कर सकते।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर ने कहा, 'मोदी–योगी के नेतृत्व में देश विश्व गुरु बनने जा रहा है। आज जब दूसरे देश का मंत्री भारत की धरती पर आकर कहता है कि ईश्वर हम सबकी सुने और मोदी जैसा प्रधानमंत्री दुनिया के हर देश को मिले। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव ने देशभर में संपन्न कराया। उन्होंने कहा था कि ये महोत्सव अपने लक्ष्यों को पूरा करने का है। भविष्य के संकल्पों को निश्चित करने का है। पीएम मोदी ने कहा था कि आने वाले 2047 में जब भारत आजादी के 100 साल पूरे करेगा तो हम विश्व गुरु के पटल पर होना चाहिये, ये लक्ष्य लेकर हमें अमृत काल में काम करना है।

दरअसल, सीएम योगी ने अंबेडकरनगर में केंद्र सरकार के 9 साल और राज्य सरकार के 6 साल में कराए गये कार्यों को गिनाकर लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है योग

योग दिवस पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम जनमानस ने किया योगासन

लोक पहल

शाहजहांपुर। जिला प्रशासन, नगर निगम व आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नवम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन अद्भुत उत्साह, समर्पण व हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह, नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा सहित नगर के हजारों लोगों ने प्रतिभाग किया।

योग समारोह का शुभारंभ जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह, नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा, एडीएम संजय कुमार पाण्डेय, त्रिभुवन, डीपीएस राठौर व अशोक अग्रवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती व महर्षि पतंजलि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

इस मौके पर जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने योग का महत्व बताते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं। योग महोत्सव की शुरुआत योग विज्ञान संस्थान के जिला प्रधान डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी ने सूक्ष्म व्यायाम के बाद प्रणव मंत्र की मधुर ध्वनि व प्रार्थना के साथ किया। उसके बाद

ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, बज्रासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तानमंडूक आसान, चक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन व शवासन तथा प्राणायाम के क्रम में कपालभाति, नाड़ीशोधन, शीतली, भ्रामरी व ध्यान के पश्चात संकल्प व प्रार्थना कराकर योग सत्र पूर्ण किया।

मंच पर ज्योति गुप्ता, गीता पाण्डेय, मृदुल गुप्ता व अभिनव शुक्ला ने व सहयोगी मंचों पर विपिन रस्तोगी, जवाहर लाल रस्तोगी, प्रमोद पाण्डेय, डॉ राजेन्द्र कुशवाहा, अनामिका अवस्थी व अर्चना दीक्षित ने आसनों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने सभी सहयोगियों को संम्मानित भी किया।

संस्थान के जिला मंत्री कवि डॉ इन्दु अजनबी के संचालन में हुए आयोजन में प्रमुख रूप से अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) राशिद अली, सीएमओ डॉ आरके गौतम, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ राजीव कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी कुमार गौरव, एसडीएम कपिल देव यादव, तहसीलदार सदर चमन सिंह समेत काफी संख्या में अधिकारीगण, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली छात्र छात्राओं एवं गणमान्य जनों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में प्रतिभाग कर योगासनों का अभ्यास किया।

एसएस कालेज में योग दिवस पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने किया योग

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग एवं एन सी सी के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे योग सप्ताह के अंतिम दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अजीत सिंह चारग एवं एनसीसी अधिकारी डॉ आलोक सिंह के संयुक्त निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर के आजाद ने कहा कि योग मनुष्य को ईश्वर से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उपप्राचार्य डॉ अनुराग अग्रवाल ने कहा कि योग के माध्यम से ही आत्मा का परमात्मा से मिलन संभव है। कार्यक्रम में योग विज्ञान संस्थान से पधारे प्रवीण मिश्रा, सौरभ गोयल, भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष शिशिर शुक्ला, एवं रूपल त्रिपाठी योग प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ प्रांजल शाही ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ प्रभात शुक्ला, श्रीप्रकाश डबराल, डॉ जयशंकर ओझा, डॉ रामनिवास गुप्ता, डॉ सुजीत कुमार वर्मा, डॉ राजीव कुमार, डॉ शुखदेव राज, डॉ कविता भटनागर, राकेश कुमार वर्मा सहित शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

योग दिवस पर लखनऊ के रेजीडेंसी में योगासन करते प्रदेश सरकार वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना

शाहजहांपुर राजकीय मेडिकल कालेज प्रागंण में योग करती महापौर अर्चना वर्मा

शाहजहांपुर के जीएफ कालेज मैदान में योग मुद्रा में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह

शाहजहांपुर के जीएफ कालेज मैदान में योग करते नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा

स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मस्तिष्क के विकास में सहायक है योग

खत्री धर्मशाला में योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खत्री धर्मशाला चौक में उत्साह के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें प्रमुख रूप से विभिन्न प्रकार की योग एवं ध्यान मुद्राएं योग प्रशिक्षिका राधिका द्वारा कराई गई। योग साधिका शेफाली ने कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने से ना सिर्फ स्वस्थ शरीर बल्कि स्वस्थ मस्तिष्क भी विकसित होता है।

साधिका उन्नति ने कहा कि योग ध्यान और प्राणायाम से एक महिला अपने शरीर को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ना केवल बचा सकती है बल्कि अपने शरीर और मस्तिष्क को अत्यधिक मजबूत बना सकती है। शिक्षिका सोनाली खन्ना ने कहा कि योग को पूरे विश्व में हर देश के लोगो के जीवन से जोड़ दिया है। प्रतिवर्ष 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाने की प्रेरणा पूरे विश्व को भारत से ही प्राप्त हुई है। इस मौके पर खत्री सभा अध्यक्ष पूनम मेहरोत्रा, रति कपूर, विश्व हिंदू परिषद अध्यक्ष सुमित खन्ना, विवेक टंडन, सोनाली खन्ना, कीर्ति, रीना वर्मा सेठ, रौनक तुली, अनूप सेठ, श्रेया, रिचा, शिखा, किरन सेठ, तृप्ति, सोनिया, निहारिका, विंध्या, राहुल, संजय आदि ने योग व प्राणायाम किया।

बेटियाँ रहेंगी निरोग, नियमित करें योग

योग दिवस पर वन स्टॉप सेन्टर में योग कार्यक्रम का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। वन स्टॉप सेंटर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर केन्द्र प्रबंधक नमिता यादव ने कहा कि योग हमें रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। हृदय रोग, मधुमेह और अस्थमा जैसी कई अन्य बीमारियों के लिए योग की सलाह दी जाती है। इसलिए अगर आप रोजाना योग करेंगे तो आप स्वस्थ रहेंगे। शरीर और मन को शांत करने के लिए यह शारीरिक और मानसिक अनुशासन का एक संतुलन बनाता है। योगा चिंता, तनाव और अवसाद पर काबू पाने के लिए मन शांत रखता है तनाव कम करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को नियमित रूप से योग करने से अनेक लाभ मिलते है। आधुनिक जीवन

में लोगो के पास समय कम कार्य ज्यादा है और बीमारियां बढ़ रही है जिसका तुरन्त निवारण नही है लोग तनावों से घिर रहे है, इस आधुनिक युग में मस्तिष्क का कार्य बहुत बढ़ गया है, आबादी बढ़ने से दुर्घटना स्तर का बढ़ना और तनाव स्तर का बढ़ना मामूली बात है। ऐसे में मस्तिष्क संबंधी बीमारी भी बढ़ रही है। इस मौके पर सेन्टर पर मौजूद महिलाओं व बालिकाओं ने योगाभ्यास भी किया।

कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर से केंद्र प्रबंधक नमिता यादव, प्रभारी महिला कल्याण अधिकारी अमृता दीक्षित, मनोसामाजिक परामर्शदाता अर्चा मिश्रा, जिला समन्वयक कीर्ति मिश्रा, केस वर्कर प्रियांशी द्विवेदी, परामर्शदाता प्रतिभा मिश्रा, स्टाफ नर्स अंतिमा तिवारी, सोशल वर्कर पूनम गंगवार, सुप्रिया अवस्थी, कॉन्स्टेबल राखी हेमा आदि मौजूद रही।

सांसद, महापौर व नगर आयुक्त ने किया योग सप्ताह का शुभारंभ

लोक पहल

शाहजहांपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून तक चलने वाले योग सप्ताह का शुभारंभ हो गया। टाउनहाल स्थित हॉकी क्लब मैदान पर 'योग सप्ताह' का शुभारंभ सांसद अरुण कुमार सागर, महापौर अर्चना वर्मा व नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने महर्षि पतंजलि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। योग विज्ञान संस्थान के जिला प्रधान डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी लोगों को योगाभ्यास कराया। मंच पर आसनों का प्रदर्शन जिला महिला योग प्रमुख ज्योति गुप्ता ने किया। कवि डॉ इन्दु अजनबी के संचालन में हुए कार्यक्रम में सांसद अरुण कुमार सागर, नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा, एडीएम संजय कुमार पाण्डेय व राशिद अली, जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह, एसडीएम कपिल देव यादव, जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ राजीव कुमार, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ सुमन, प्रवीण मिश्र, दपिन्दर कौर, रचना चांदना, डॉ जगपाल सिंह, मृदुल गुप्ता, राजेश दीक्षित, अर्चना दीक्षित, राजवीर यादव, योगेश अग्रवाल, डॉ सारिका अग्रवाल, दीपेश द्विवेदी समेत काफी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास किया।

जिलाधिकारी ने की जनपद के निर्माण कार्यो की समीक्षा

समय से कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

लोक पहल

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों में विलंब होने अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। नगर निगम क्षेत्र में निर्माणाधीन मल्टीलेवल कार पार्किंग के कार्यो को शीघ्र पूर्ण कराकर लोकार्पण कराए जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। नगर निगम कार्यालय भवन के धीमे निर्माण कार्य पर कार्यदायी संस्था सीएण्डडीएस को चेतावनी जारी की। मल्टीपरपज सीड स्टोर खुटार के कार्य की धीमी प्रगति पर कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिए। तहसील तिलहर में आवासीय भवनों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच उप जिलाधिकारी तिलहर एवं लोक निर्माण विभाग के एसडीओ की संयुक्त टीम से कराए जाने हेतु निर्देशित किया। कस्तूरबां गांधी आवासीय विद्यालय, कटरा के निर्माणाधीन हॉस्टल की जांच के दौरान पायी गयी कमियों की शीघ्र ठीक करते हुये आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के निर्माण कार्य में विशेष सावधानी बरती जाये। बैठक के दौरान जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बाबू लाल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. जय प्रकाश सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

रामचन्द्र मिशन के 'इंस्पायर' कार्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन

■ **समापन समारोह में शिक्षक हुए सम्मानित**

लोक पहल

बांकेगंज/लखीमपुरखीरी। बच्चों के समग्र विकास के लिए शिक्षकों को प्रेरित करने के उद्देश्य से श्रीरामचन्द्र मिशन द्वारा शिक्षकों की तीन दिवसीय कार्यशाला 'इंस्पायर' का आयोजन किया गया। नगर के विनायक इण्टर कालेज में आयोजित कार्यशाला के समापन समारोह में विद्यालय के प्रबंधक राजीव गोयल ने बताया कि कार्यशाला के दौरान शिक्षिकों को ध्यान परिचय, शिथिलीकरण कराये जाने के बाद हार्टफुल शिक्षक, विविध शिष्य और हार्टफुल सुगमता सरलीकरण आदि विषयों पर शिक्षकों को व्याख्यान दिये गये। व्याख्यान देने वालों में प्रमुख रूप से संतोष कुमार सेठ, हेमराज, सुजाता आदि ने बताया कि श्रीरामचन्द्र मिशन सम्पूर्ण विश्व में अध्यात्म, योग और शैक्षिक गतिविधियों को संचालित कर रहा है। इस दौरान शिक्षकों को हृदय आधारित शिक्षा द हार्टफुलनेस वे पाठ्यक्रम का परिचय, प्रेरित जीवन, वार्तालाप के सिद्धांत, शिक्षक और समाज तथा छात्र हित में रामचन्द्र मिशन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अन्तिम दिन आयोजित समापन समारोह में मिशन के जोनल कोआर्डीनेटर दीपक त्यागी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधियों शेर सिंह व वीरेन्द्र सिंह ने कार्यशाला में सम्मिलित शिक्षकों को 'इंस्पायर' प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यशाला के आयोजन में सेन्ट्रल कोआर्डीनेटर पूनम, प्रशिक्षक हेमराज वर्मा, संतोष कुमार सेठ, नीलम सेठ, कुशल सेठ, राजीव सिन्हा, कुंज बिहारी आदि का विशेष सहयोग रहा।

भारतीय योग संस्थान ने निकाली योग चेतना प्रभात फेरी

लोक पहल

शाहजहाँपुर। भारतीय योग संस्थान रोजा इकाई के तत्वावधान में योग चेतना प्रभात फेरी का प्रथम चरण प्रारंभ हुआ। प्रभात फेरी में लगभग 50 योग साधक साधिकाओं ने भाग लिया। प्रभात फेरी रोजा माल गोदाम से प्रारंभ होते हुए आदर्श नगर कॉलोनी रोजा थाना रोजा अस्पताल होते हुए नोटिफाइड एरिया में संपन्न हुई। प्रभात फेरी में योग चेतना संबंधित नारे एवं योग को जीवन में उतारने के सूत्र देते गीतों का लगातार प्रसारण होता रहा। प्रभात फेरी में मुख्य रूप से समाजसेवी अजय गुप्ता, पार्षद अरविंद राज्यपाल, संजय सिंह, राज कुमार सक्सेना, पवन कुमार सिंह, मदन मोहन त्रिपाठी, अवधेश प्रजापति, ओम प्रकाश प्रजापति, पुनीत दीक्षित, राजीव मिश्रा, विनोद बिहारी पांडे, के.के. सिंह, उमेश मिश्रा, राजेंद्र मिश्रा, प्रवीण गुप्ता, मयंक भूषण पांडे, रोशन लाल, प्रमोद, रामपाल, प्रेम अवस्थी, रामपाल अजय मिश्रा, विद्या श्रीवास्तव, विनोद कुमार, राजू श्रीवास्तव अखिलेश त्रिवेदी, राम प्रकाश उमाशंकर, राधिका, सुरेंद्र, पुष्पा शर्मा, पुष्पा शर्मा, नीरजा मिश्रा, स्नेह लता कश्यप, रीना सिंह, सपना, लक्ष्मी सक्सेनाआदि का सहयोग रहा।

एसएस कालेज का जीव विज्ञान का 84 प्रतिशत रहा तीसरे सेमेस्टर का परिणाम

निशी गुप्ता पहले, स्तुति दूसरे व इकरा तीसरे स्थान पर रहीं

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज के बीएससी जीवविज्ञान तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम 84.12 प्रतिशत रहा। रुहेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा परिणाम में निशी गुप्ता ने 8.95 एसजीपीए ग्रेड हासिल करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि स्तुति रस्तोगी व इकरा अंसारी एसजीपीए ग्रेड 8.43 एवम 8.10 प्राप्त करके क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, एसएस कॉलेज सचिव डॉ अवनीश मिश्रा, एसएस कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) राकेश कुमार आजाद ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ आदर्श पाण्डेय व जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ रमेश चंद्रा एवं जंतु व वनस्पति विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों ने परीक्षा परिणाम पर हर्ष व्यक्त किया है।

वाणिज्य के छात्रों के लिए निजी क्षेत्र में अपार संभावनाएं

एम.काम प्रथम वर्ष के छात्रों की हुई कैरियर काउंसलिंग

लोक पहल

शाहजहाँपुर। एस.एस. कॉलेज में एम. कॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर चार्टर्ड अकाउंटेंट निलय शुक्ला ने छात्रों को सीए करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सामान्यतः छात्र सीए की परीक्षा से डरते हैं किंतु यदि योजनाबद्ध तरीके से तैयारी की जाए तो सीए करना बहुत आसान है। दिल्ली से आए मोहम्मद सोहेल ने कहा कि बढ़ते निजीकरण और बाजारीकरण के कारण कॉमर्स के छात्रों की मांग बढ़ रही है अतः छात्रों को एम. कॉम के बाद एल.एल.बी, टैली या फाइनेंशियल एनालिस्ट का कोर्स करना चाहिए। राजकीय महाविद्यालय बदांयू के वाणिज्य के विभागाध्यक्ष डा. आलोक दीक्षित ने कहा कि वाणिज्य शिक्षा के क्षेत्र में अवसर बढ़ रहे है। इसलिए जो छात्र

शिक्षक बनाने में रुचि रखते हैं उन्हें नेट और पीएचडी की ओर ध्यान देना चाहिए। आर्य महिला डिग्री कालेज के डा. आशीष गोयल ने कहा कि छात्रों को स्वयं के रोजगार के रूप में वित्तीय परामर्श, कौशल विकास, वस्तु एवं सेवा कर सहायक तथा अन्य लघु रोजगार योजनाओं पर ध्यान देना चाहिए ताकि वे स्वरोजगारी बन सकें। बृज लाली के संचालन में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी शुकदेवानंद के चित्र पर पुष्पांजलि से हुआ। स्वागत एवं परिचय भाषण उप–प्राचार्य व वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग अग्रवाल ने दिया। जबकि डा. रूपक श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के आयोजन में डा. गौरव सक्सेना, डा. विजय तिवारी, डा. अजय वर्मा, डा. संतोष प्रताप सिंह, डा. सचिन खन्ना, शिवांशी गुप्ता, प्रशंशा, ऋचा वर्मा, प्रतिमा, हिमानी बहल, प्रेरणा गुप्ता आदि का विशेष योगदान रहा।

राजकीय बाल गृह में बच्चों ने किया योग

लोक पहल

शाहजहांपुर। राजकीय बाल गृह बालक एवम राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर में अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को योगा से होने वाले लाभ से अवगत कराया गया तथा बच्चों से कहा गया कि वह नियमित रूप से योगा को अपनी दिनचर्या में शामिल करें जिससे वह शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बन सके तथा जीवन में आने वाले चुनौतियों का डट के मुकाबला कर सकें।

कार्यक्रम में प्रभारी अधीक्षक राम विनय यादव एवं राजकीय बालग्रह बालक के कर्मचारीगण जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी निकेत कुमार सिंह एवं काउंसलर प्रतिभा मिश्रा तथा अध्यापक सुतीक्षण कुमार तथा प्रदीप कुमार भी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

एनडीए का कुनबा बढ़ाने में जुटी भाजपा

2014 और 2019 में केन्द्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के बाद भाजपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। एक के बाद एक राज्यों में या तो जीत हासिल कर सरकार बनाई या जोड़–तोड़कर सत्ता पर काविज हुई लेकिन 2024 के चुनाव से पहले भाजपा में एक संशय का माहौल है। सूत्रों की मानें तो पार्टी इस मुद्दे पर काफी सशंकित है कि उसे 2024 में भी पूर्ण बहुमत मिलेगा। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में मिली करारी हार के बाद भाजपा ने नए सिरे से अपनी व्यूह रचना बनानी शुरू कर दी है। आने वाले समय में देश के कई बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव भी संभावित है। इन राज्यों से जो संकेत मिल रहे हैं वह भाजपा के लिए चिंतित करने वाले है। एक तरफ विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा एक बार फिर एनडीए को मजबूत करने में जुट गई है। बता दें कि अटल बिहारी बाजपेयी ने एनडीए में शामिल करीब दो दर्जन दलों के साथ मिलकर सरकार चलाई थी लेकिन धीरे–धीरे उनमें से कई दल छिटककर अलग हो गए। अब भाजपा ने एक बार फिर नए साथियों की तलाश तेज कर दी है। केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके पक्के संकेत मिले। बीजेपी लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भी उसने इस सिलसिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। वैसे भी उत्तर भारत में वह पिछले लोकसभा चुनाव में इतना तगड़ा प्रदर्शन कर चुकी है कि इस बार उसे दोहराना मुश्किल लग रहा है। इसलिए अगर उसे फिर से बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आना है तो दक्षिण में सीटें बढ़ानी होंगी। इससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में संभावित कमी की भरपाई हो जाएगी। बीजेपी इस योजना पर कॉन्फिडेंस के साथ बढ़ भी रही थी, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों से उसे झटका लगा। इसके बाद से कहा जा रहा है कि बीजेपी पहले जितनी ताकतवर नहीं रही। खैर, जो बात बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत साबित हुई है, वह यह कि हार हो या जीत, इससे निकले सबक को समझने और अपनाने में पार्टी देर नहीं करती।

कर्नाटक में मिली हार के बाद भी भाजपा यही कर रही है। वह दक्षिण में नए दोस्त बनाने की पहल कर रही है। टीडीपी नेता चंद्र बाबू नायडू काफी समय से बीजेपी के करीब आना चाहते थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व उन्हें घास नहीं डाल रहा था। वजह शायद यह थी कि पिछले लोकसभा चुनावों से पहले नायडू ने न केवल एनडीए को बाय–बाय कह दिया था बल्कि उसके बाद भाजपा नेताओं पर तीखे हमले भी किए थे। मगर बदले हालात में भाजपा न सिर्फ उनके संकेतों पर पॉजिटिव रेस्पॉन्स देने लगी बल्कि अमित शाह और नायडू की बैठक भी हो गई। यही नहीं, यूपी में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर के बेटे की शादी के मौके पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र लिखकर नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। इसके बाद यह चर्चा शुरू हो गई कि अगले लोकसभा चुनाव में एसबीएसपी फिर से एनडीए से जुड़ सकती है। माना जा रहा है कि दूसरे राज्यों में भी बीजेपी सहयोगियों की तलाश तेज कर सकती है। वह पहले इस तरह के कामयाब प्रयोग कर भी चुकी है। हालांकि ये कोशिशें क्या रंग लाएंगी, इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन इधर बीजेपी जो संकेत दे रही है, उससे इतना तो पता चल ही रहा है कि पार्टी नए दोस्तों का स्वागत करने में कोई गुरेज नहीं करना चाहती है। भाजपा को 2024 फतेह करने के लिए कई राज्यों में सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। पिछले चुनाव में उत्तर भारत में मिली भारी जीत को दोहराना पार्टी के लिए मुश्किल सबब हो सकता है। ऐसे में दक्षिण के राज्यों में क्षेत्रीय दलों को एनडीए में शामिल कर भाजपा ने एक बार फिर केन्द्र की सत्ता पर काविज होने के लिए व्यूह रचना बनाना शुरू कर दिया है।

केवल डिजिटल इंडिया अधिनियम ही पर्याप्त नहीं

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

आज संपूर्ण विश्व अत्यंत द्रुतगति से डिजिटल स्वरूप में परिवर्तित होने की ओर अग्रसर है। जीवन का कोई भी क्षेत्र एवं कोई भी पहलू देखा जाए तो उस पर डिजिटल क्रांति का एक बड़ा प्रभाव देखने को मिलता है। डिजिटलीकरण का आधुनिकतम उत्पाद जिसे हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता अथवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नाम से जानते हैं, दिन–प्रतिदिन विकास के नवीन आयामों को स्पर्श करता जा रहा है। निस्संदेह डिजिटलीकरण ने मानव जीवन को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है। सच कहें तो डिजिटल क्रांति ने मानव जीवन को सुविधाओं के भंडार से जोड़ने का कार्य किया है। किंतु यह एक कटुसत्य है कि उत्कृष्टता एवं नवीनता के साथ कुछ पार्श्वप्रभाव भी सम्बद्ध होते हैं। डिजिटल क्रांति का सबसे बड़ा एवं घातक पार्श्व प्रभाव यह हुआ कि आज अपराधों का स्वरूप भी बदलकर डिजिटल हो गया है। जहां किसी समय में अपराधी अपने शिकार से रूबरू होकर अपराध को अंजाम दिया करता था, वहीं आज की स्थिति यह है कि अपराधी दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी को भी धोखाधड़ी का शिकार बना सकता है। खास बात यह कि डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार हुए व्यक्ति को अपने साथ घटी दुर्घटना का पता तुरंत चल भी सकता है और अनेक स्थितियों में नहीं भी चलता। इस घटना को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए बस इतना ही काफी है कि अपराधी शातिर एवं डिजिटली दक्ष हो एवं उसका शिकार डिजिटल जागरूकता के पैमाने पर शून्य की स्थिति में हो।

यदि भारत की बात की जाए तो यहाँ अशिक्षित आबादी को तो छोड़ ही दीजिए, शिक्षित वर्ग का भी एक बड़ा हिस्सा डिजिटल क्रांति को लेकर न तो सतर्क है और न ही जागरूक। लिहाजा उसे डिजिटल अपराध का शिकार बनाने में अपराधी को कोई ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ती। हाल का ही एक मामला है कि किसी व्यक्ति को ऑनलाइन शॉपिंग के जाल में फंसाकर उसे ब्लैकमेल करके लाखों रुपए ठग लिए गए। यह कोई अकेला मामला नहीं है, अपितु आए दिन ऐसी घटनाएं घटित होती रहती है। प्रश्न यह उठता है कि आखिरकार इन घटनाओं पर लगाम कैसे लगाई जाए। इसके लिए निश्चित रूप से अपराधी एवं उसके शिकार होने वाले व्यक्ति दोनों पर केंद्रित होकर एक ठोस रणनीति बनाए जाने की महती आवश्यकता है। डिजिटल व्यवस्था को इस स्तर तक दुरुस्त एवं सुरक्षित किया जाए कि अपराधी के हाथ कुछ लगने ही न पाए और साथ ही साथ जनता को विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता अभियान के माध्यम से इतना सतर्क बनाया जाए कि वह किसी भी दशा में इन अपराधियों के झांसे में आकर धोखाधड़ी का शिकार न बनने पाए।

डिजिटल अपराध एवं इस तरह की गतिविधियों से देश की जनता को सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार के द्वारा जल्द ही डिजिटल इंडिया एक्ट लाने की तैयारी की जा रही है। इस अधिनियम में यह प्रावधान होगा कि किसी भी ऐसी तकनीकी के संचालन की अनुमति न हो जो कि समाज, राष्ट्र एवं नागरिकों के लिए हानिकारक है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में देश में 85 करोड़ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं एवं 2025 तक यह संख्या 120 करोड़ के आंकड़े को छू लेगी। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है इंटरनेट एवं डिजिटल तकनीकी के बिना जीवन की कल्पना असंभव सी प्रतीत होने लगी है। यहां पर एक बात विशेष रूप से गौरतलब है कि कोई भी तकनीकी सामान्यतरू किसी को नुकसान नहीं पहुंचाती। किसी भी तरह की हानि के लिए कहीं न कहीं हमारी जागरूकता का अभाव, सतर्कता एवं गंभीरता की कमी, तथा अनावश्यक रूप से तकनीकी के साथ छेड़छाड़ अथवा उसका दुरुपयोग उत्तरदायी होता है। उदाहरणार्थ, इंटरनेट पर प्रत्येक प्रकार की सामग्री का महासागर मौजूद है। यह पूर्णतया हम पर ही निर्भर करता है कि हम अपने समय एवं धन के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग किस प्रकार की सामग्री का चयन करने के लिए करते हैं। हम अपनी व्यक्तिगत जानकारी अथवा डाटा को कितना सुरक्षित रख पाते हैं, यह कहीं न कहीं डिजिटल तकनीकी के क्षेत्र में हमारी जानकारी, ज्ञान, सतर्कता एवं जागरूकता पर ही निर्भर करता है। वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चर्चा बड़े जोरों पर है। डिजिटल इंडिया एक्ट भी खासतौर से एआई पर ही नियंत्रण लगाने की एक कोशिश है। दिलचस्प बात तो यह है कि चौट जीपीटी को विकसित करने वाली कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम अल्टमैन के द्वारा विश्व भर में घूमते हुए एआई को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक नियम बनाने की अपील की जा रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, इटली, चीन इजराइल आदि देशों में एआई पर नियंत्रण की योजना पर मंथन चल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 88 प्रतिशत कंपनियां एआई तकनीकी के इस्तेमाल की ओर उन्मुख हैं। निस्संदेह एआई एवं डिजिटल क्रांति के अनेक अन्य उत्पाद जनमानस के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, बशर्ते कि उनका उपयोग बुद्धिमत्ता, सतर्कता एवं नियंत्रण की परिधि में रहकर किया जाए। एआई का आविष्कार होने का अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम हर उस कार्य के लिए एआई पर निर्भर हो जाएं जिसे हमें स्वयं करने में कोई विशेष परेशानी नहीं है। जन सामान्य को और विशेषकर युवाओं को डिजिटल साक्षरता के साथ–साथ डिजिटल जागरूकता पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए जब तक भारत की जनता डिजिटल गतिविधियों को लेकर सतर्कता, ज्ञान, सावधानी, नियंत्रण एवं कौशल को हासिल नहीं कर लेती, तब तक महज डिजिटल इंडिया अथवा पर्सनल डाटा सुरक्षा से सम्बंधित अधिनियम बनाए जाने मात्र से संभवतः कोई प्रभावी हल निकलने वाला नहीं है।

प्रकृति संरक्षण

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

प्रकृति हमारी माँ के समान है, जो हमारा पूरी तरह से लालन पालन करती है और बदले में हमसे कुछ भी नही मांगती है। बिना प्रकृति के धरती पर हमारा अस्तित्व नही है। प्रकृति में पृथ्वी के सभी सजीव और निर्जीव घटक शामिल होते है। प्रकृति कुदरत के अनगिनत रंगो से भरपूर है। कुदरत का मानव पर प्रेम प्रकृति द्वारा दिखता है। जीवन की मुख्य सभी जरूरतें जैसे कि हवा, पानी, फल– फूल, दवा, सब्जियां हमें प्रकृति से मिलते है। जीवित रहने के लिए दो सबसे महत्वपूर्ण तत्व गर्मी और प्रकाश भी प्रकृति से ही प्राप्त होते हैं। स्वास्थ्य और प्रकृति के बीच का संबंध अनोखा है। प्रकृति मन के नकारात्मक विचार और तनाव को कम करती है और मन को शांति, आनंद और ठंडक पहुंचाती है। प्रकृति के साये में रहने से शरीर रोगमुक्त हो जाता है।

प्रकृति हमारी अनमोल संपत्ति है। प्रकृति का हर रूप जैसे पौधे, जानवर, नदियाँ, पहाड़, चाँद, सूरज और बहुत कुछ हमारे लिए समान महत्व रखता है। एक तत्व की अनुपस्थिति मानव जीवन में तबाही मचाने के लिए काफी है। वर्तमान समय में मानव की स्वार्थी गतिविधियों के कारण उसको काफी गहरा नुकसान हो रहा है। प्रौद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए जंगलों की अंधाधुन कटाई हो रही है। जंगलों के कटने से प्राकृतिक संसाधनों की कमी हो रही है। प्रकृति हमें सहनशीलता, निरंतरता, निस्वार्थ भावना जैसे गुण सिखाती है। अगर हम चाहते है की हमारी भावी पीढ़ी भी इस अनमोल सम्पत्ति का आनद और लाभ ले सके इसके लिए हमें अभी से प्रकृति का जतन करना होगा। प्रकृति की रक्षा करना हमारा धर्म और जिम्मेदारी है। प्रकृति की तरफ से हमें अनगिनत लाभ मिलते है। प्रकृति खुद एक उपचारात्मक स्पर्श है। प्रकृति हमारे मन के मानसिक तनाव को कम करती है और मन को शांति और आनंद का अनुभव देती है। प्रकृति की हरियाली में वह शक्ति है, जो हमारे शरीर को रोगों से दूर रखती है। प्रकृति हमारे लिए एक सुरक्षा कवच के समान है। प्रकृति की संपत्ति को बचाना हर एक मनुष्य का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। मनुष्य को कभी भी प्रकृति के साथ अपने स्वार्थ के लिए छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। लगातार जंगलों की कटाई से पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग की समस्या में बढ़ोतरी हो रही है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। उनका सीधा प्रभाव जलवायु चक्र और पोषक चक्र पर हो रहा है। प्रकृति का संरक्षण न केवल मानव जीवन के लिए बल्कि सभी जीवों के लिए आवश्यक है। मानव व्यवहार और स्वार्थी जरूरतों के कारण कई प्राकृतिक संसाधन धीरे–धीरे कम हो रहे हैं। यदि हम प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए कार्य नहीं करते हैं, तो हमें अपने अस्तित्व के मामले में भारी नुकसान का सामना करना पड़ेगा। पानी की कमी, सांस लेने के लिए ताजी हवा की अनुपलब्धता और वनस्पति की कमी के कारण उचित और ताजा भोजन की अनुपलब्धता के कारण आने वाली पीढ़ियों को बहुत नुकसान होने वाला है। ईश्वर ने हमें प्रकृति का उपहार देकर हमें अपना सच्चा प्यार दिया है। प्रकृति से हमें ईश्वरीय शक्ति का एहसास होता है। प्रकृति हमारा सबसे बड़ा मित्र है। प्रकृति से हमें जीवन में सहनशीलता, निरंतरता, निस्वार्थ, बलिदान, ईमानदारी और दृढ़ता जैसे गुण सीखने को मिलते है। हमें प्रकृति के सभी घटकों का आनंद उठाना चाहिए। अगर प्रकृति में हमारी रक्षा करने की क्षमता है, तो यह पूरी मानव जाति को नष्ट करने के लिए भी पर्याप्त शक्तिशाली है।धरती पर हमारी भावी पीढ़ी के अस्तित्व के लिए हमें पर्यावरण का संतुलन बनाये रखना होगा। इसलिए पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारी अहम जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी पृथ्वीवासियों को एकजुट होना होगा।

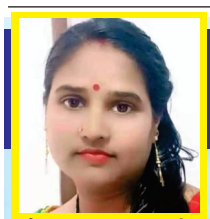

रेखा शाह आरबी बलिया

बीवी और बास.. के दुखियारे

हास्य व्यंग्य

नौरंगीलाल ऑफिस से तपेतपाऐ आए थे उनकी जिंदगी के दो ही दुख है बीवी और बॉस ... क्योंकि दोनों सुनाते हैं सुनते नहीं हैं। आज शायद बॉस ने आज उनकी अच्छी खासी क्लास ले ली थी। दरवाजे की कॉल बेल बजाई ,पहली कॉल बेल पर दरवाजा नहीं खुला तो उनके दिमाग का पारा हाई हुआ.. दूसरी कॉल बेल पर दरवाजा नहीं खुला तो.. दिमाग गुस्से से लाल ,तीसरी कॉल बिल पर ना जाने क्या होता ..तब तक उनकी घरनी दरवाजा खोल चुकी थी और उनका रौद्र रूप देखकर सिर झुकाए साइड में खड़ी हो गई। एकदम डर से कपकपाती हुई जैसे ठंड में ठंड लगने पर इंसान कांपता है। नौरंगीलाल उखड़ पड़े बिफरते हुए बोले दिन भर खाकर पड़ी रहती हो इंसान थक हार कर बाहर से आता है तो यह नहीं कि पहली बार में तुम्हे सुनाई पड़ जाए, बकरी के जैसे मिमियाते हुए हाथ जोड़कर धीमी आवाज में बोली प्राणनाथ माफ कर दीजिए छत पर कपड़े उतारने चली गई थी इसीलिए पहली बार में नहीं सुन पाई क्षमा

प्राणनाथ क्षमा, नौरंगीलाल आंखों से एटम बम गिराते हुए गरजते हुए बोले अच्छा तो अब तुम्हारे मुंह में जबान आ चुका है अब तुम मुझे जवाब दे रही हो तुम्हारी इतनी हिम्मत हो गई है। उनकी पत्नी उनके जूते उतारते हुए सूखे पत्ते के मानिंद कांप रही थी जिसकी वजह से जूते के फीते खुलने में देरी हो रही थी जिसे देखकर नौरंगीलाल और भड़क उठे और बोले किसी काम की नहीं हो तुम से एक जूते के फीते भी ढंग से नहीं खुल सकते हैं।

सोते–सोते अचानक किसी की कर्कश आवाज कानों में पड़ी, उठते हो या कुंभकरण के जैसे तुम्हारे कानों के पास नगाड़े बजवाऊ.. ऐसे तो किसी काम के हो नहीं..लेकिन सोने मे दुनिया के सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर सकते हो। नौरंगीलाल आंखें मलते हुए आंखें खोले तो ..देखे वह तो अपने बिस्तर में पड़े हैं सारा सीन बदला हुआ था और यह सुबह का वक्त है और पत्नी लगातार उन पर चिल्लाए जा रही है नवरंगी लाल उठ कर बैठे तब उन्हें समझ में आया अभी तक जो देखा वह सब सपना था। पत्नी बोली– कब से चिल्ला रही हूं मेरे सिर में दर्द हो रहा है जाकर चाय बना कर ले आओ.. पर तुम हो कि घोड़े बेच कर सो रहे हो। नौरंगीलाल पत्नी का रौद्र रूप देखकर पीलिया के मरीज की तरफ पीले पड़ गए और तुरंत तुरंत उठकर चाय बनाने चल दिए ...साथ ही अपने मन में सोचते जा रहे थे मेरे सपने है मैं कुछ भी देख सकता हूं। बस हकीकत में ना सही सपने में ही... अपने अफसर बॉस की क्लास लगाने को मिल जाए तो मजा आ जाए।

गजल

मस्त रहना भी अदा हो जैसे।
मैकशी में ही मजा हो जैसे।

जीस्त अब तक गुजार दी यूँ ही,
इक शराबी को नशा हो जैसे।

उससे मिलकर के लगा है मुझको,
जख्म भरने की दवा हो जैसे।

मुझसे मिलने को किसी ने शायद,
उसको बस रोक रखा हो जैसे।

तर बतर जिस्म था पसीने से,
और वो थक भी गया हो जैसे।

उसकी नज्मों से यही लगता है,
दर्द में डूब चुका हो जैसे।

'ज्ञान' हरगिज न हटेगा पीछे,
जिद पे अपनी वो अड़ा हो जैसे।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'

हेंठी का फल

रानी प्रियंका वल्लरी
हरियाणा

शांतिनगर में दो व्यापारी थे। 'मैं बड़ा की तू', इसे लेकर दोनों में जबर्दस्त होड़ रहती थी। दोनों हमेशा बड़ी– बड़ी उटपटांग बातें करते। एक कहता, 'आसमान में पेड़ लगाएंगे 'तो दूसरा टपक देता,' समुद्र के बीचो बीच लिविंग रुम बनायेंगे।' इसी तरह दोनों कहीं भी अपनी बखान बघारने से बाज नही आते। शांतिनगर में रहने वाले लोगों की मजबूरी थी। वहां इनकी ही दो बड़ी दुकानें थी। इनके बिना लोगो का काम नहीं चल सकता था। सो लोग इनकी बेतुकी बातें और हेंठी पानी पी पीकर झेल रहे थे। और दोनो का व्यापार दिन दुगुना रात चौगुना बढ़ते जा रहा थे।

कुछ समय बाद शांतिनगर में एक नया व्यापारी आ गया। मध्यम कद काठी के साँवले रंग वाले इस व्यापारी के अधर पर मुस्कान की पैठ रहती थी। बातें ऐसी मानो मिसरी घुली हो। पूरी तरह व्यवहार कुशल था यह व्यापारी। इसकी दुकान पर कोई आ जाए तो बिना खरीद किये वापिस नहीं जा पाता था।

नए व्यापारी के आने से हेंठी वाले दोनों व्यापारियों की सेलिंग बाजार में कम होती जा रही थी। ग्राहक मुंह देख फेर लेते थे। अब यह ग्राहकों को ढूंढ ढूंढ कर जबरदस्ती सामान पकड़ाने लगे। नहीं लेने पर तरह तरह की धमकी देते थे लेकिन लोग अब इनके मनोभाव को समझ चुके थे। वे इनसे दूरी बनाने लगे। नये व्यापारी के व्यवहार से पूरा गांव मस्त था।

मिलन

देखती हूँ जब भी सागर को,
किनारे से टकराते हुए।
नदी को सागर में, आवेग में गिरते हुए।
साँझ को रात में ढलते हुए।
धरती और अम्बर को छितिज में मिलते हुए।
ऐसा लगता है जैसे दो पागल प्रेमी,
एक दूसरे से मिलने को आतुर ,
गले मिलकर इश्क की शोर में खो जाना चाहते हो।
वह एक हसीन पल, मैं भी चुराना चाहती हूँ,
जिंदगी से। हाँ तुमसे मिलकर,
तुम्हें गले लगाना चाहती हूँ।
जीना चाहती हूँ, वो हसीन पल करीब से ।
जब लब खामोश हो जाते हैं, धड़कनों के शोर में।
उस शोर में खुद को, महसूस करना चाहती हूँ।
निःशब्द मौन मैं भी बेधड़क धड़कना
चाहती हूँ। तुम्हारे दिल में,
बेइंतहा प्रेम जताना चाहती हूँ,
खामोशी से। धड़कनों से मिलकर,
मैं भी पागल प्रेमी बनना चाहती हूँ,
इश्क के महासागर में विलीन होकर।

राजश्री सिन्हा
सोफिया (बुल्गारिया)

फिर किया श्रृंगार

आज तुमने फिर किया श्रृंगार,
मन भला कैसे बँधा रह पाएगा!

नैन कजरारे लगें ऐसे तुम्हारे,
गुनगुनाती झील में घन श्याम उतरें,
किंशुकी तव होष्ठ ऐसे लग रहे हैं,
क्लान्त सूरज को दुलारें सिन्धु लहरें,

कामनाओं को मिला विस्तार,
मन भला कैसे बँधा रह पाएगा!

प्राण का अनुबध श्वासों से हुआ है,
दृष्टियों के पाश में ब्रह्माण्ड सारा,
इन्द्रियों पर किसलिए पहरा लगा है,
सृष्टि ही जब चल रही है 'काम' द्वारा,

संदली है 'मनु-इड़ा'-संसार,
मन भला कैसे बँधा रह पाएगा!

राजेन्द्र वर्मा, लखनऊ

खबरिया चैनल

सरिता बाजपेयी 'साक्षी'
शाहजहांपुर

'नशा मुक्ति अभियान' बैनर समेटकर चिरंजीलाल डगमगाते हुए अपने घर में दाखिल हुए। घर में आते ही कटे वृक्ष की तरह सोफे में धंस गए। 'अब बारी आ गई है, टीवी पर मसालेदार चटपटी खबरों की गाहे–बगाहे खबर के बीच–बीच में खूब रोमांचित होकर आज के अतिथियों से फोन पर कार्यक्रम 'नशा मुक्ति अभियान' की सफलता की मीमांसा प्रकट करते हुए प्रसन्नचित्त सिगरेट सुलगा कश खींचने लगे। मन ही मन में हुंकार भरते भये मुँह से धुआँ के छल्ले उगलने की कोशिश में चारों ओर दृष्टिपात भी करते हुए मगन हैं।

'बच्चे पिता की उपस्थिति से भयभीत तो हैं। मगर! फिर भी तीनो संयमित होकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। सामने से आ रही मां की ओर देखा तो मंजरी ने बच्चों की उहापोह भांप ली। 'आंखों से कुछ देर शांत बैठे रहने का इशारा किया' टेबिल पर पानी का गिलास, फ्राई आलू धनियाँ, टमाटर की चटनी की प्लेट रख चुपचाप वापस मुड़कर चल दी। 'इतने में एकाएक' चिरंजीलाल किसी खबर पर तुनक गये। चैनल बदल मनरंजन की खुशफहमी में बौखलाकर ऊंचे स्वर में बोल पड़े 'आजकल कोई ढंग की खबर नही?, 'सब बकवास' सब चौनलवा ताबड़तोड़ टीआरपी बटोरन में धुत्त हैं, बस्स! 'बताओ ?' 'टोटल विज्ञापन' 'पत्नी ने कोई ध्यान नही दिया, जानबूझ कर अनसुनी कर चल दी।, तो मकखनबाजी पर उतर आए। एक चैनल पर एंकरिंग कर रही, न्यूज रीडर्स की ओर पत्नी का ध्यान खींचा। वाह ! क्या कलर है ! देखो ! जानूँ ! ए जानूँ ! तुम्हारे लिए ऐसा ही कोट बनवाएंगे। 'पत्नी ने घूर कर देखा' 'फिर अपने सिर को झटक दिया।, 'चुपचाप बाहर निकल गई।, पीछे–पीछे बच्चे भी चल दिए। चिरंजीलाल मूकदर्शक से कुछ देर टेलीविजन के सब चैनल खंगाल चुके। तो ज्यादा देर मन नहीं लगा। मोबाइल पर विधायक जी का नंबर डायल किया। उधर से आवाज आई, 'हेलो' आप घर पहुंच गए मुखिया जी ? जी, सरकार! बस आकर बैठे हैं। 'आज आपके आने से कार्यक्रम में चार चांद लग गए' 'सर'! आप 'नशा मुक्ति अभियान' पर बहुत अच्छा बोले। आप जैसे मुख्य वक्ता की वजह से मंच पर रौनक छा जाती है। आप हमारे कार्यक्रम की शान हैं। हमारा सौभाग्य आप हमारे मुख्य 'अतिथि' बनकर आए, कार्यक्रम की गरिमा बढाई। फोन से आवाज गूँजी 'अरे मुखिया जी, यह तो मेरा परम सौभाग्य, कि आपने मुझे 'मुख्य अतिथि' के लायक समझा। आप के लिए सदैव सेवा में हाजिर रहेगे। वैसे चुनाव का गणित सही

दिखाई दे रहा? अरे! कोई नहीं है मैदान में! आप का डंका, ढहाए लंका! उधर से ठहाके की आवाज गूँजी, 'मुखिया' जी ! अगले कार्यक्रम में जनता की नब्ज पर पकड़ मजबूत करो। असल मसला 'नशा मुक्ति अभियान' के पीछे अपना प्रयोजन क्या है ?! 'यह तो आप जानते हो 'खामखां टाइम, पैसा बर्बाद करने से कोई फायदा नहीं। चिरंजीलाल घिघियाकर बोले 'जी सरकार' 'उधर से आवाज आई, हमको हर हाल में सीट जीतनी है। लीडरशिप के लिए लीड प्रचार चाहिए। 'ठीक है रखते हैं। फोन कट गया। चिरंजीलाल बहुत देर तक अपने मोबाइल को बड़े गौर से देख गंभीर मुद्रा में देखते–देखते बोले 'मीडिया चाहे तो सामान्य मुद्दे को राष्ट्रीय मुद्दा बना दे। 'बताओ तो ! 'राष्ट्रीय मुद्दा को भी फुस्सः कर दे।, डगमगाते हुए उठकर खटिया पर लेट गए। चिरंजीलाल कहीं से भी आते खबरों को खंगालने के लिए न्यूज चैनल लगा कर खटिया पकड़ लेते। 'क्योंकि' 'अब उनका और इस खटिया का कुछ नहीं हो सकता।, मतलब ! करें तो आखिर करे भी क्या? सिरहाना दक्षिण में, मुख उत्तर दिशा में, तो निश्चित है टीवी को ही घूरेंगे!

'खटिया और टीवी' की तो जैसे कमरे से छत्तीस गुण से कुंडली सेट है। इसलिए सिरहाना दक्षिणी दिशा और पैताना उत्तर दिशा। दो माह पूर्व दीवार पर टीवी टांगने के बाद आनन– फानन में ही पत्नी और बच्चों को आदेश दिया, जाओ कोई दखल न दो। आराम से समाचार सुनने दो। सभी ने चुपचाप उनके आराम पर मुहर लगा दी। चिरंजीलाल की विश्राम के समय आँखें चैनल–दर–चैनल टहलती तो हैं। मगर ! अब आँखों से ज्यादा हाथ की कनेक्टिविटी रिमोट से बहुत तगड़ी हो गई है। जैसे ही विज्ञापन आया, कि तुरंत विज्ञापन को अंगूठा दिखा चौनल चेंज कर देते। 'उफ्फ कित्ते विज्ञापन! .?मन ही मन बुदबुदाहट में खोपड़ी खुजलाते पास में रखा अखबार उठा लिया।

क्रमशः शेष अगले अंक में.....

गज़ल

मेरे अपने ही काँटे बो रहे हैं।
तभी तो दुःख नहीं कम हो रहे हैं।

तुम्हारे साथ खुश रहना था हमको,
अकेले में मगर अब रो रहे हैं।

तुम्हें पाने की जिद पागल न कर दे,
सुकून-ओ-चौन दोनो खो रहे हैं।

दिलो जाँ से तो हम तुम एक ही थे,
जमाने की नजर में दो रहे हैं।

उन्हें 'ऋतुराज' शिकवे ही मिलेंगे,
भला करने में आगे जो रहे हैं।

विकास सोनी 'ऋतुराज'
शाहजहांपुर

भाजपा की रणनीति पर चलेगी सपा, पन्ना प्रमुख के मुकाबले वोटर लिस्ट प्रभारी संभालेंगे कमान

लोक पहल

लखनऊ। लोकसभा, विधानसभा और फिर नगर निकाय चुनाव में भाजपा को मिली भारी जीत में पार्टी की ओर से अपनायी गई रणनीति को अब विपक्षी दल भी अपनाकर चुनाव में जीत के लिए तैयारी शुरू कर रहे हैं। उप्र में समाजवादी पार्टी भी अब भाजपा की रणनीति को अपनाकर चुनाव में विजयी हासिल करने के लिए प्रयासरत है। समाजवादी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए अब उसी रणनीति को अपनाया है, जो भाजपा अभी तक चुनावों में अपनाती रही है। इस कड़ी में समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथवार वोटर लिस्ट प्रभारियों को बड़ी जिम्मेदारी दी है। भाजपा के पन्ना प्रमुखों की तौर पर काम

करने वाले इन वोटर लिस्ट प्रभारियों की जिम्मेदारी पार्टी कार्यकर्ताओं के वोट न कटने के साथ–साथ एक–एक वोटर से मिलने की भी होगी। इसके अलावा बीते विधानसभा चुनावों में एक हजार वोटों से कम सीटों पर हारने वाली 37 विधानसभा सीटों पर पूरा फोकस कर जिम्मेदारों को तैनात किया गया है।

समाजवादी पार्टी की हुई वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में तय किया गया कि उत्तर प्रदेश के सभी बूथों पर वोटर लिस्ट प्रभारियों को चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी देकर मैदान में उतारा जाए। जानकारी के मुताबिक समाजवादी पार्टी ने अपने इन वोटर लिस्ट प्रभारियों को अपने–अपने बूथ की प्रत्येक वोटर लिस्ट के प्रत्येक मतदाता से मिलने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा तय यह भी किया गया है कि वोटर लिस्ट में किसी भी कार्यकर्ता का नाम न कटे। समाजवादी पार्टी से जुड़े नेता बताते हैं कि बैठक में जिला अध्यक्षों के माध्यम से सभी बूथों के वोटर लिस्ट प्रभारियों को यह संदेश दिया गया है कि वह प्रत्येक वोटर लिस्ट के पन्ने में दर्ज हर व्यक्ति के घर पहुंचे और उनसे संपर्क स्थापित करें।

समाजवादी पार्टी से जुड़े नेताओं के मुताबिक अगले एक महीने के भीतर सभी बूथों की वोटर लिस्ट प्रभारियों को अपनी रिपोर्ट जिला अध्यक्षों के माध्यम से प्रदेश कार्यालय तक पहुंचानी है।

योग दिवस पर बच्चे करेंगे योग, खाएंगे हलवा और खीर

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने 21 जून को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य के सभी स्कूलों को एक दिन के लिए खुला रखने का निर्देश दिया है। इस दौरान प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के बच्चे विभिन्न योग गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। एक सरकारी बयान में कहा गया कि 21 जून को योगाभ्यास के अलावा कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी और विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के संबंध में मध्याह्न भोजन अधिकारी और बेसिक शिक्षा निदेशक द्वारा सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं। गर्मी की छुट्टियों के कारण बंद चल रहे स्कूल योग दिवस के एक दिन पहले साफ सफाई के लिए खोले जाएंगे।

मिड डे मील प्राधिकरण के निदेशक विजय किरण आनंद द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मिठाई, खीर, हलवा, फल और स्वच्छ पेयजल का वितरण सभी स्कूलों में बच्चों को किया जाना चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है कि बेसिक शिक्षा निदेशक द्वारा योग दिवस के संबंध में जारी निर्देशों का अनुपालन करना अनिवार्य है। इन निर्देशों के मुताबिक, यूपी के सभी प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूलों को योग गतिविधियों में भाग लेना होगा।

उप्र में आठ आईपीएस अफसरों के तबादले

लोक पहल

लखनऊ। योगी सरकार ने आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किए। चार जिलों में तैनात पुलिस कमिश्नर इधर से उधर किए गए। वहीं, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात नीलाब्जा चौधरी को कानपुर नगर कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। प्रयागराज अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट में तैनात आकाश कुलहरी को लखनऊ कमिश्नरेट भेजा गया है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स लखनऊ में तैनात पवन कुमार को पुलिस उपायुक्त प्रयागराज बनाए गए।

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट में तैनात रवि शंकर छवि को लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। लखनऊ पुलिस उपमहानिरीक्षक में तैनात अमित वर्मा को अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर में तैनात किया गया है। लखनऊ में पुलिस उपमहानिरीक्षक भष्ट्राचार में तैनात बबलू कुमार को गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट भेजा गया है।

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में सुनीति को पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है। वहीं, प्रयागराज कमिश्नरेट में पवन कुमार को पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनाती मिली है। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में नए एसीपी की तैनाती कर दी गई है। बबलू कुमार को अपर पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट बनाया गया है।

एनडीए का कुनबा बढ़ाने में जुटी भाजपा, राजभर से कर सकती है गठबंधन

लोक पहल

लखनऊ। 2014 और 2019 में भाजपा ने पूर्ण बहुमत के साथ केन्द्र में सरकार बनाई थी लेकिन भाजपा के रणनीतिकारों खासतौर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को यह लगने लगा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में सत्ता पर काविज रहने के लिए एनडीए को मतबूत करने की जरूरत है। बहुमत के जादुई आंकड़े से कम रहने पर भाजपा ने अपने सहयोगियों की तलाश अभी से आरंभ कर दी है। वैसे तो लोकसभा चुनाव 2024 से यूपी में सभी बड़े सियासी दल अपने फायदे के अनुसार साथियों की तलाश कर रहे हैं। सियासी जानकारों द्वारा दावा किया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले यूपी में बीजेपी और सुभसपा एकबार फिर से साथ आ सकते हैं। बीजेपी के साथ

गठबंधन को लेकर अटकलों पर सुभसपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि राजनीति में सब संभव है। कोई रोक नहीं है।

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि हमारी और सीएम योगी आदित्यनाथ की कोई मुलाकात नहीं हुई है। हमने उनसे मिलने की कोई कोशिश नहीं की है। गठबंधन के सवाल पर राजभर ने कहा कि राजनीति में सब संभव है। एक रिपार्ट में वाराणसी में योगी और ओम प्रकाश की राजभर की मुलाकात हुई। इन दोनों नेताओं की सर्किट हाउस में मुलाकात की बात कही जा रही है। कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत चली है लेकिन राजभर ने इन अटकलों को सिरे से नकार दिया और कहा कि उनकी सीएम योगी से कोई मुलाकात नहीं हुई है।

अब तुरंत अपडेट होगी खतौनी, सरकार ने चलाया अभियान

लोक पहल

लखनऊ। उप्र की राजस्व विभाग में खतौनी को लेकर आये दिन विवाद होता रहता है। प्रदेश के तमाम काश्तकार खतौनी अपडेट न होने के कारण परेशान रहते है। किसानों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने प्रदेश में खतौनी को रियल टाइम में अपडेट करने का अभियान शुरू कर दिया है। राजस्व परिषद ने हर पखवाड़े में लक्ष्य के 20 प्रतिशत गांवों में खतौनियों को अपडेट करने का लक्ष्य तय किया है। यह काम अगस्त तक पूरा करने की योजना है। खतौनी के तत्काल अपडेट होने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि इससे जमीन की खरीद–फरोख्त में धांधली पर अंकुश लगेगा। किसी जमीन को खरीदने का इच्छुक व्यक्ति खतौनी को देखकर जान सकेगा कि उसका असली मालिक कौन है। इसके अलावा, खतौनी को प्रत्येक छह वर्ष में अपडेट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पहले खतौनी में 13 कॉलम होते थे। जब

भी कोई जमीन बेची जाती थी या किसी खातेदार की मृत्यु होने पर उसके उत्तराधिकारियों की वरासत दर्ज होती थी तो नामांतरण आदेश खतौनी के कॉलम संख्या सात से लेकर 12 तक में दर्ज होते हैं। अभी तक नामांतरण के फलस्वरूप कॉलम सात से 12 तक में दर्ज खातेदारों के नाम को एक–एक नामांतरण आदेश पढ़कर ढूंढा जाता था। सॉफ्टवेयर इसे ढूंढ़ नहीं पाता था। इसलिए किसी गांव की खतौनी को अपडेट करने के लिए हर छठवें वर्ष में खतौनी पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जाता था। रियल टाइम अपडेट में जमीन का बैनामा या वरासत दर्ज होने पर खतौनी में नामांतरण आदेश फीड होते ही नए खातेदार का नाम तत्काल कॉलम–2 में आ जाता है।

प्रदेश में 1,06,725 राजस्व गांवों की खतौनी को रियल टाइम में अपडेट किया जाना है, जिसमें से अब तक 15,736 गांवों में यह काम पूरा कर लिया गया है।

उप्र की नदियों में अब चलेंगी सोलर वोट

यह सुविधा देने वाला देश का पहला राज्य बना यूपी

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सड़कों पर वाहनों के बढ़ते बोझ और यातायात को सुगम बनाने के लिए अब जल मार्ग पर यातायात को बढ़ावा दे रही है। साथ ही सरकार सौर ऊर्जा को भी बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश में अब सोलर बोट चलाने की तैयारी में है। पहले चरण में यह अयोध्या, काशी, मथुरा सहित पांच धार्मिक स्थलों पर चलेगी। इसकी शुरुआत अयोध्या से होगी। यहां एक–एक करोड़ रुपये कीमत की दो बोट खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस तरह का प्रयोग करने वाला यूपी पहला राज्य है।

अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो रही है। ऐसे में अब यहीं से सोलर बोट की भी शुरुआत होगी। इस बोट से श्रद्धालु सरयू नदी के दर्शन पूजन कर सकेंगे तो जल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। करीब एक करोड़ की लागत वाली इस बोट पर एक साथ 12 से 15 लोग बैठ सकेंगे। इसके बाद काशी, मथुरा, प्रयागराज और गढ़मुक्तेश्वर में सोलर बोट शुरू की जाएगी। यहां मार्च 2024 से पहले सोलर बोट के संचालन की तैयारी है। इसके बाद अगले सत्र में चित्रकूट, आगरा, गोरखपुर, जौनपुर सहित अन्य नदी के किनारे वाले शहरों में यह सुविधा दी जाएगी। नेडा का प्रयास है कि हर नदी के किनारे बसे शहरों में सोलर बोट का संचालन किया जाए। इससे डीजल से चलने वाली बोट से नदियों में होने वाला प्रदूषण भी खत्म होगा।

यूपी को जल्द मिलेगी गंगा एक्सप्रेस–वे की सौगात

बुंदेलखंड से जुड़ेंगे झांसी और चित्रकूट के एक्सप्रेस–वे

लोक पहल

लखनऊ। उप्र में एक्सप्रेस–वे के निर्माण काफी तेजी से चल रहे है। सबकुछ ठीक रहा तो प्रदेश को गंगा एक्सप्रेस–वे की सौगात 2024 के अंत तक मिल सकती है। वहीं बुंदेलखंड को जल्द ही दो नए लिंक एक्सप्रेस–वे का उपहार मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुंदेलखंड की जीवनरेखा बन चुके बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे को झांसी और चित्रकूट से जोड़े जाने को आवश्यक बताते हुए कहा कि ये दोनों नए लिंक एक्सप्रेस–वे बुंदेलखंड के विकास को गति देंगे। एक्सप्रेस–वे परियोजनाओं, औद्योगिक कारिडोर और डिफेंस कारिडोर की प्रगति की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस–वे और झांसी लिंक एक्सप्रेस–वे के लिए बजट की व्यवस्था की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक अध्ययन के अनुसार चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस–वे लगभग 20 किलोमीटर का होगा, जबकि

झांसी लिंक एक्सप्रेसवे 125–135 किलोमीटर के लगभग होगा। उन्होंने दोनों नए एक्सप्रेस–वे के निर्माण के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर भूमि क्रय की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे और बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद गंगा एक्सप्रेस–वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष वन महोत्सव के अवसर पर सभी एक्सप्रेस–वे के दोनों किनारों पर पौधे लगाने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस–वे को हर हाल में दिसंबर 2024 तक आम जनता के लिए उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखें, ताकि प्रयागराज कुंभ 2025 में देश–दुनिया के श्रद्धालु गंगा एक्सप्रेस–वे पर यात्रा का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेस–वे के किनारे औद्योगिक क्लस्टर के लिए स्थान भी चिह्नित कर लिया जाए।

बच्चों को खिलाएं हेल्दी और स्वादिष्ट नाश्ता

पनीर रोल

अगर आपके बच्चे को रोल खाना बेहद पसंद है तो झट पट उसे पनीर रोल बनाकर खिलाइए। इसे खाकर उसका पेट भी भरा रहेगा।

मूंगदाल चीला

चीला हर किसी को खाना पसंद होता है। ऐसे में आप बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी मूंग दाल का चीला बना सकती हैं।

उपमा

ये एक साउथ इंडियन डिश है। इसे बनाना बेहद आसान होता है। खास बात ये है कि आप इसे कुछ मिनटों में आसानी से बना सकती हैं। इसमें ज्यादा तेल मसाले नहीं होते। जिस वजह से ये काफी हेल्दी होता है।

ओट्स इडली

सामान्य इडली से हटकर कुछ बनाना चाहती हैं, तो ओट्स इडली ट्राई कर सकती हैं। इसे नारियल की चटनी के साथ आप बच्चों के टिफिन में भी रख सकती हैं।

सेवई

नमकीन सेवई खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। बच्चों के साथ-साथ आप इसे अपने घर के बड़ों को भी परोस सकती हैं। ये कुछ ही मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है।

भारत देश अपने खान-पान की वजह से काफी चर्चित है। यहां हर राज्य का अपना अलग खाना होता है। विभिन्न तरह के ऑप्शन होने के बाद भी हर मां अपने बच्चे के नाश्ते के लिए परेशान रहती है। अगर आपके घर में भी छोटे बच्चे हैं, तो आप ये बात ज्यादा अच्छे से समझ सकती हैं कि बच्चे हर चीज नहीं खाते। बच्चों की पसंद कुछ अलग ही होती है इसलिए आप बड़ों के लिए जो बनाएंगी, कई बार बच्चे उसे खाने से नकार देते हैं। खास कर दिक्कत सामने आती है सुबह के नाश्ते के वक्त। दरअसल, बच्चों को सुबह स्कूल जाना पड़ता है, ऐसे में हर मां चाहती है कि उनका बच्चा सुबह ऐसी चीज खाकर जाए, जो हेल्दी भी हो और स्वादिष्ट भी। पर, रोज-रोज क्या बनाया जाए ये समझ नहीं आता है।

वेजिटेबल मसाला डोसा

सादा डोसा बनाने से बेहतर है उसमें कई सारी सब्जियां डालकर वेजिटेबल मसाला डोसा बनाकर बच्चे को खिलाएं। ये काफी हेल्दी होता है।

साबूदाना खिचड़ी

अपने बच्चे को आप सुबह नाश्ते में साबूदाना खिचड़ी बनाकर खिला सकती हैं। ये खाने में काफी टेस्टी होती है। साबूदाना खिचड़ी एक महाराष्ट्रीयन डिश है जो साबूदाना, आलू और मूंगफली के साथ मिलाकर बनाई जाती है।

देखो हँस मत देना

एक मकान मालिक नए किरायेदार को मकान दिखा रहा था। मकान मालिक- इसका किराया 700 रुपए होगा। किरायेदार -ठीक है, लेकिन आपके मकान में तो चूहे नाच रहे हैं! मकान मालिक- तो 700 रुपए में या शीला का नाच देखना चाहते हो?

ग्राहक- तुम्हारी भैंस की एक आंख खराब है, फिर भी तुम इसके 25000 मांग रहे हो। आदमी- तुं भैंस दूध के लिए चाहिए या नैन मटक्का के लिए चाहिए?

जज- या सबूत है कि जब एसीडेंट हुआ, तब तुम कार तेज नहीं चला रहे थे? कार चालक- साहब, मैं अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था। जज- ओह, छोड़ दो इस मासूम को, ऐसे समय कोई भी गाड़ी तेज नहीं चला सकता।

एक महिला एक साधु के पास गई और बोली-महाराज! आपने प्रवचन में कहा था, अहंकार ही सबसे बड़ा पाप है। पर जब मैं आईना देखती हूं, तो सोचती हूं मैं कितनी सुंदर हूं तो मुझे बहुत अहंकार हो जाता है, मैं या करूं? साधु ने कहा- बेटी यह अहंकार नहीं, गलतफहमी है और गलतफहमी कोई पाप नहीं।

कहानी | हमेशा सच बोलो

एक रात 4 स्कूल के लड़के पार्टी कर रहे थे। जबकि अगली सुबह उनका एग्जाम था। फिर भी वो लोग मस्ती कर रहे थे। पार्टी करते हुए जब सुबह हो गई तो परीक्षा नहीं देने के लिए वो लोग प्लान बनाने लगे। फिर परीक्षा शुरू होने के बाद वो लोग प्रिंसिपल के ऑफिस गए वहां सर से कहा हमें माफ करिये हमारी परीक्षा आप कुछ दिन बाद ले लो। यों की कल रत हम शादी में गए थे वहां से लौटते समय हमरी कार का टायर पंचर हो गया। पूरी रात कार को धक्का दे के घर तक लाये है। इसलिए हम कुछ तैयरी भी नहीं कर पाए। प्रिंसिपल सर ने उनकी दुःख भरी कहानी सुनी और उन लोगो को 3 दिन का टाइम दे दिया। वे सारे लड़के 3 दिन तक कड़ी मेहनत से तैयारी की और 3 दिन बाद परीक्षा देने गए। तो सबको अलग कमरे में बैठा दिया गया। वे इस बात से भी खुश थे की कोई बात नहीं हमने तो तैयारी कर ली है और अब आराम से पास हो जायेंगे। उन लड़कों के साने जैसे ही प्रश्न पत्र आया तो उसमें बस एक ही सवाल पूछा गया था जो पूरे 100 नंबर का था। जिसमें पूछा गया गया था कि आपकी गाड़ी का कौन सा टायर पंचर हुआ था।

कहानी से सीख- परिस्थि चाहे जैसी भी हो हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए। यों की झूठ बोलने वाला और भी ज्यादा दलदल में फस जाता है।

7 अंतर खोजें

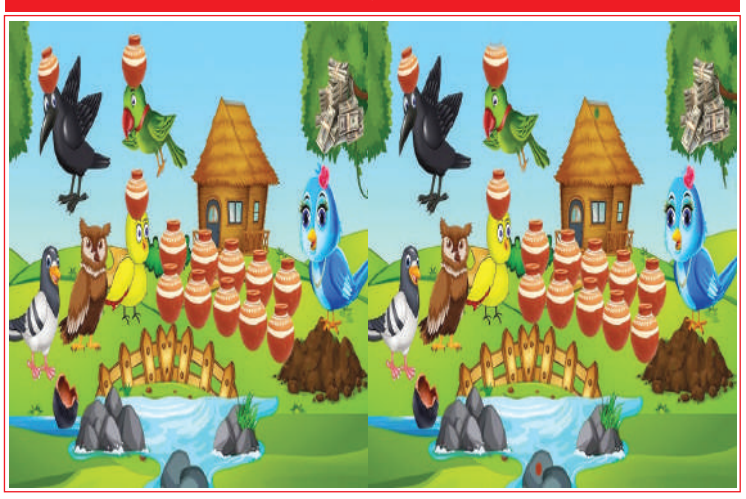

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष आज आप परिवार वालों के साथ सुखद समय बितायेंगे। सामाजिक स्तर पर आपका रूतबा बढ़ेगा। प्रेम-संबंधों में आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ कार्यस्थल पर आपके पास अपनी योग्यता साबित करने के बेहतर अवसर होंगे। जो आपको सफलता के शिखर पर लेकर जाएंगे। पारिवारिक -जीवन सुखी और शांतिपूर्ण रहेगा।

मिथुन आज आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप अपने साथियों को खुश रखने की कोशिश करेंगे। आप किसी काम के लिए प्लानिंग करेंगे।

कर्क आज का दिन आपको धनी और प्रसिद्ध बना सकता है। हालांकि यह आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है। चोरी की वजह से नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सिंह आज जीवनसाथी के साथ फिल्म देखना आपको सुकून देगा। साथ में बाहर डिनर आपको खुशमिजाज भी बनाएं रखेगा। मेहनत के बल पर आपको सफलता मिलेगी।

कन्या यह खुद को स्थापित करने का अच्छा समय है। बाधाएं और मुश्किलें भी अब दूर होने लगेगी। आप अपनी बुद्धि और कौशल से अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकल जाएंगे।

तुला आज आपको कुछ घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। आप शाम को बच्चों के साथ कहीं घूमने के लिए बाहर निकलेंगे। कामकाज में बहुत हद तक सफल होंगे।

वृश्चिक कमाई में वृद्धि होगी और पैसे कमाने के और जरिए बनेंगे। आपके भाई-बहन से भी आपको फायदे मिल सकते हैं। प्रेम-प्रसंगों के लिए दिन काफी अनुकूल रहने वाला है।

धनु आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

मकर जीवनसाथी की खराब सेहत की वजह से घर में खुशियों की कमी आएगी। आप चिड़चिड़े महसूस करेंगे, किन्तु आपको शांत और संयम रखने की जरुरत है।

कुंभ आज आपका सोचा हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा। आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे।

मीन किस्मत आपका भरपूर सहयोग देगी। आपका साहस और बुद्धि चरम पर रहेगा। सामाजिक लोकप्रियता में वृद्धि होगी। दफ्तर में वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे।

स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय

नैक बी+

मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर

प्रवेश का स्वर्णिम अवसर

विधि स्नातक पाठ्यक्रम

LL.B. पंचवर्षीय (12वीं उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

LL.B. त्रिवर्षीय (स्नातक आदि उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

विधि स्नातकोत्तर (पी.जी.) पाठ्यक्रम

LL.M. द्विवर्षीय (विधि स्नातक उत्तीर्ण छात्र)

विधि 100 प्रतिशत रोजगार युक्त पाठ्यक्रम है।
योग्य और अनुभवी प्राध्यापकों
द्वारा नियमित कक्षाओं का संचालन।

विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
नामांकन के लिए प्रत्येक कार्य दिवस
पर प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक
महाविद्यालय कार्यालय में सम्पर्क करें।

विधि पाठ्यक्रमों में स्थान सीमित होने के कारण
प्रवेशार्थियों को चाहिए कि वे यथाशीघ्र
प्रवेश प्राप्त करें।

विस्तृत जानकारी हेतु महाविद्यालय के सम्पर्क सूत्र -

05842-796171, 796174, 9559913013, 9453721669
9005182809, 7007902156, 9473938629, 9415703943

शीघ्रता करें - स्थान सीमित

(विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के लिए किसी प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता नहीं, सीधे प्रवेश प्रारम्भ)

प्राचार्यः स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय, शाहजहाँपुर

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।